



मेरे भैया मेरे चंदा मेरे अनमोल रतन

मेरे भैया मेरे चंदा मेरे अनमोल रतन  
तेरे बदले मैं ज़माने की कोई चीज़ ना लूं  
मेरे भैया, मेरे चंदा, मेरे अनमोल रतन  
तेरे बदले, मैं ज़माने की कोई चीज़ ना लूं

तेरी सांसो की कसम खाके, हवा चलती है  
तेरे चेहरे की झलक पाके, बहार आती है  
एक पल भी मेरी नज़ारों से जो तू ओझल हो  
हर तरफ मेरी नज़र तुझको पुकार आती है

मेरे भैया, मेरे चंदा, मेरे अनमोल रतन  
तेरे बदले, मैं ज़माने की कोई चीज़ ना लूं  
मेरे भैया, मेरे चंदा, मेरे अनमोल रतन  
तेरे बदले, मैं ज़माने की कोई चीज़ ना लूं

तेरे शहरे की मेहकती हुई लड़ियों के लिए  
अनगिनत फूल उमीदों के चुने हैं मैंने  
वो भी दिन आए की उन ख्वाबों के ताबीर मिले  
तेरे खातिर जो हसीं ख्वाब बुने है मैंने

मेरे भैया, मेरे चंदा, मेरे अनमोल रतन  
तेरे बदले, मैं ज़माने की कोई चीज़ ना लूं  
मेरे भैया, मेरे चंदा, मेरे अनमोल रतन  
तेरे बदले, मैं ज़माने की कोई चीज़ ना लूं  
मेरे भैया..

हिन्दीपथ.कॉम